किसी देश का सर्वांगींण विकास निज भाषा से ही सम्भव हो सकता है -

"निज भाषा उन्नति अहें, सब उन्नति को मूल ।
बिन निज भाषा ज्ञान के मिटै न हिय को शूल ॥"

भावना से अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में दिनाख्म **07 सितंबर, 2018** से हिन्दी चेतना सप्ताह का शुभारंभ हुआ । इस चेतना सप्ताह के प्रथम दिन महाविद्यालय पुस्तकालय में हिन्दी के महान साहित्यकारों से संबंधित पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी के कर कमलों द्वारा इस प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ । साथ ही "चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास द्वारा मानवीय मूल्यों की स्थापना" के उद्देश्य से अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में योग क्लब एवं हिन्दी साहित्य परिषद के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई । महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी की सद्प्रेरणा से महाविद्यालय में अनेकानेक कार्यशालाएँ आयोजित की जा रही हैं इसी श्रृंखला में यह कार्यशाला आयोजित की गई । डॉ. बाँके बिहारी के निर्देशन में विद्यार्थियों के नैतिक विकास हेतु इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में आचार्य सोमदेव जी (वैदिक प्रवक्ता, परोपकारिणी सभा, अजमेर) एवं श्री बलबीर सिंह मलिक (वैदिक प्रवक्ता, फरीदाबाद) उपस्थित थे । महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता ने विद्यार्थियों को चरित्र की महिमा बताते हुए मानवतावाद पर प्रकाश डाला और आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया ।

मुख्य वक्ता श्री सोमदेव जी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए व्यक्तित्व विकास के लिए पाँच तत्व बताये – विद्या, शारीरिक व्यक्तित्व, वाणी, वस्त्र और विनम्रता । राजा भोज, भगवान कृष्ण, कर्ण–अर्जुन, जयदेव, सिकंदर तथा ए.पीजे. अब्गुल कलाम इत्यादि के उदाहरण देते हुए धर्म सम्बन्धी भ्रान्तियों का निराकरण किया साथ ही उन्होंने वेदों में नारी की महिमा का उल्लेख करते हुए नारी की महिमा का उल्लेख करते हुए नारी को निर्मात्री कहा और वर्तमान समाज में व्याप्त जाति–पाँति व ऊँच नीच के भेदभाव को निर्मूल बताते हुए वेदों में वर्णित वर्ण व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा करते हुए भ्रान्तियों को दूर किया ।

श्री बलबीर सिंह मलिक जी ने शुभाशीष देते हुए विद्यार्थियों से कहा कि ऐसे कार्यक्रम समय–समय पर आर्य समाज संस्था द्वारा विद्यार्थियों व महाविद्यालयों में नियमित रूप से कराये जा रहे हैं ताकि विद्यार्थी संस्कार वान एवं चरित्रवान बनकर अपनी संस्कृति के सही स्वरूप से परिचित हो सके ।

इस कार्यशाला में स्नातक एवं स्वातकोतर के विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दर्ज की ।

हिन्दी विभागाध्यक्षा श्रीमती किरण आनन्द, सहायक प्रवक्ता डॉ. रेणु माहेश्वरी, डॉ. बाँके बिहारी, पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. रामचंद्र एवं अन्य पुस्तकालय के स्टॉफ, के सहयोग से यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों एवं हिन्दी प्रेमियों के लिए आयोजित की गई । इस उद्देश्य था कि विद्यार्थी हिन्दी के अनेकानेक नवीन एवं प्राचीन साहित्यकारों की चेतना सप्ताह के अंतर्गत (07 से 14 सितंबर, 2018) अनेकानेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा – मघु कथ वाचन प्रतियोगिता, देशभक्ति कविता प्रतियोगिता, मौलिक कविता लेखन प्रतियोगिता, देश भक्ति कविता प्रतियोगिता, मौलिक कविता कविता लेखन प्रतियोगिता, श्रुतलेख एवं भाषण प्रतियोगिता (मेरी भाषा – मेरा स्वाभिमान इत्यादि)
इन सभी प्रतियोगिताओं का उद्देश्य महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों में हिन्दी चेतना जागृत करना एवं हिन्दी के प्रति लगाव एवं रूझान उत्पन्न करना है ताकि मौखिक एवं लिखित रूप से हिन्दी भाषा को सशक्त बना सके और अपनी मौलिक रचनाओं द्वारा अपनी लेखन कौशल को विकसित कर सकें । इस पुस्तक प्रदर्शनी में अनेकानेक विद्यार्थियों ने पहुँच कर लाभ उठाया ।